राज्य द्वारा ए डी पी ओ उप0। अभियुक्तगण सहित अधिवक्ता श्री आर0पी0 गुर्जर। प्रकरण उपीपण तर्क हेतु नियत है। उभयपक्षो के तर्क सुने गये।

अभियोजन कहानी के अनुसार दिनांक 30.08.16 को फरियादी शाम करीब 5 बजे अपने घर पर बैठा था तभी आरोपीगण लाठियां लिए आए और पुरानी रंजिश पर से मां बहन की बुरी बुरी गालियां देने लगे। फरियादी ने गाली देने से मना किया तो महेश व लवकुश ने लाठियों से गारपीट की। फरियादी चिल्लाया तो बचाने उसका भाई भीमसेन आया तो कलियान व सीताराम ने लाठियों से भीमसेन की मारपीट की जिससे उसे जगह जगह मुदी चोटें आई तब फरियादी व उसके मोई भीमसेन को बलवीर व मलखान ने बचाया। फरियादी ने घटना की रिपोर्ट थाने में की जिस पर से अप०क०-238/16 पंजीबद्ध किया गया तथा विवेचना उपरांत अभियोगपत्र न्यायालय में पेश किया गया।

अभियुक्तगण के विरूद्ध धारा 459, 294, 323, 506, 34 इजाफा धारा 325 मादिवे० के अधीन अभियोगपत्र पेश किया गया है। उक्त धाराओं के अधीन विचारण का एकमात्र क्षेत्राधिकार मान० सत्र न्यायालय को होने से प्रकरण मान० सत्र न्यायालय को होने से प्रकरण मान० सत्र

प्रकरण में द०प्र०स० की धारा २०७ के अधीन अभियोगपत्र एवं सलग्न दस्तावेजों की प्रति पूर्व में दिलाई जा चुकी है।

प्रकरण में निष्पादन लिपिक आगामी नियत दिनाक के पूर्व माननीय सन्न न्यायालय में प्रकरण को सुव्यवस्थित कर पहुंवाये जाने की व्यवस्था करे। साथ ही लोक अभियोजक को उर्पापण सबंधी सूचना भेजी जाए।

Banal Standard Standa

necessary Pleaders where Parties or TO SIMPORTS

० नाम कि कोन्डी मिगागह र्ह की 1191 एकी जाष्ट्रिन कि गागुरमिह । गाए कि हिं हिंह निए फिकी हिरुप फ़िम्म के फ़िलाप्राफ़ हम फ़िन्नि कि क्रीएम । इष्टिम्म म एफकर कि प्रकीम निष्ठिलाम निष्ठम कि एए।

1 कार 1417 हमागमर कि विकिश मिंडप्रिक्ति 1 रेप्र एक कि 11 में प्रशाप्ताफ़ के प्रहिता, एषित्राप्ताफ़ हम प्रमृष्ट मृष्ट्रि

कि उपियों एक।।।। कि निमा के निमा के निमा कि निम एक । एक निम निम प्रक क्रि ड्रीड्र कि एशियों में एलाप्राफ़ हम ०नाम निक्रम कि एर्गिए एप्रक्र

मिषित की जावे।

1 कि 18th कि 71.80.55 काम्जी हुई जिएजीए कि गिगियकप्रिसिह भ्रमप्र के उन्नीए एलाए। हम प्रमिर प्रिनिम् एप्रकर

Cohad disti. Bhind (M.P.) Judicial Magistrate, First Class